

**धौल स्त्री.** (अनु.) 1. पीठ या सिर पर हाथ से किया जाने वाला आघात, धप्पा 2. चपत 3. चपेट, हानि, आर्थिक आघात पुं. धव का पेड़ वि. धवल, बहुत बड़ा स्त्री. 1. एक प्रकार की ईख 2. ज्वार का हरा डंठल पुं. धरहरा स.क्रि. जड़ना, जमाना, मारना, देना, लगाना बी. धौल धप्पड़, धौल धप्पा, धौल धक्का।

**धौलधक्कड़ पुं.** (देश.) मारपीट, उपद्रव, दंगा, उधम प्रयो. वह इतना शरीफ है कि धौलधक्कड़ वाली जगहों में जाने से डरता है।

**धौलधक्का पुं.** (देश.) आघात, चपेट।

**धौलधप्पड़ पुं.** (देश.) 1. धक्का-मुक्का 2. मारपीट 3. उधम, उपद्रव, दंगा।

**धौलधप्पा पुं.** (देश.) दे. धौलधप्पड़।

**धौलधूत वि.** (तद्.) धवल धूर्त, बहुत बड़ा धूर्त, पक्का धूर्त।

**धौलहर पुं.** (देश.) दे. धरहरा।

**धौलांजर पुं.** (तत्.) कांगड़ा जिले के एक पर्वत का नाम।

**धौला वि.** (तद्.) दे. धवल पुं. 1. धव या धौ का पेड़ 2. सफेद बैल।

**धौलाई स्त्री.** (तत्.) धवलता, सफेदी, उजलापन।

**धौलाखैर पुं.** (देश.) बबूल जाति का एक वृक्ष जिसकी छाल सफेद होती है।

**धौलागिरि पुं.** (देश.) दे. धवलगिरि।

**धौलाधार पुं.** (तत्.) दे. धरहरा।

**धौली स्त्री.** (तद्.) एक प्रकार का वृक्ष पुं. उड़ीसा में भुवनेश्वर के दक्षिण में स्थित एक पर्वत।

**ध्मांक्ष पुं.** (तत्.) 1. ध्वांक्ष, काक, कौआ, बगुना 2. भिक्षुक 3. बढई।

**ध्मांक्षजंघा स्त्री.** (तत्.) काकजंघा।

**ध्मांक्षजंबु पुं.** (तत्.) काक जंबु, काकफल।

**ध्मांक्षतुंडी स्त्री.** (तत्.) काकनासा नामक लता।

**ध्मांक्षदंती स्त्री.** (तत्.) काकतुंडी काकनासा लता।

**ध्मांक्षनखी स्त्री.** (तत्.) काकतुंडी।

**ध्मांक्षनाशिनी स्त्री.** (तत्.) हाऊबेर, हपुषा।

**ध्मांक्षनासा स्त्री.** (तत्.) काकनासा।

**ध्मांक्षपुष्ट पुं.** (तत्.) कोकिल।

**ध्मांक्षमाची स्त्री.** (तत्.) काकमाची।

**ध्मांक्षवल्ली स्त्री.** (तत्.) काकनासा।

**ध्मांक्षादनी स्त्री.** (तत्.) काकतुंडी।

**ध्मांक्षाराति पुं.** (तत्.) उल्लू।

**ध्मांक्षी स्त्री.** (तत्.) मादा कौआ, कक्कोकिला, शीतलचीनी।

**ध्मांक्षोली स्त्री.** (तत्.) काकोली।

**ध्माकार पुं.** (तत्.) लोहार।

**ध्मात वि.** (तत्.) 1. फूँक कर बजाया हुआ 2. फुलाया हुआ 3. उत्तेजित किया हुआ, क्षुब्ध किया हुआ 4. उभारा हुआ।

**ध्मान पुं.** (तत्.) (फूँक कर) बजाने की क्रिया।

**ध्मापन पुं.** (तत्.) 1. फूँककर फुलाना 2. जलाकर राख करना।

**ध्मापित वि.** (तत्.) 1. फुलाया हुआ 2. जलाकर राख किया हुआ।

**ध्या स्त्री.** (तत्.) विचार, चिंतन।

**ध्यात वि.** (तत्.) ध्यान किया हुआ, विचारा हुआ, सोचा हुआ।

**ध्यातव्य वि.** (तत्.) दे. ध्येय।

**ध्याता वि.** (तत्.) 1. ध्यान करने वाला 2. विचार करने वाला।

**ध्यात्व पुं.** (तत्.) विचार, मनन।

**ध्यान पुं.** (तत्.) 1. किसी विषय पर मन में विचार को केंद्रित करना 2. चिंतन, सोच, विचार 3. बुद्धि, समझ 4. याद, स्मृति, ख्याल 5. पूजा, उपासना आदि के समय इष्ट के प्रति विचार व चेतना का केंद्रीकरण 6. योग के आठ अंगों में से सातवें अंग का नाम 7.